

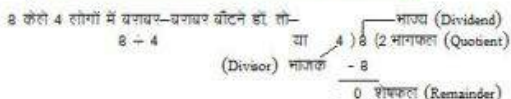




हम जानते हैं कि किसी संख्या में एक ही संख्या को बार-बार घटाना भाग है। जैसे 8 केलो 4 लोगों में बराबर-बराबर बाँटने हों तो—
 पहली बार एक-एक केलो बाँटने पर $8 - 4 = 4$ (बचे 4 केलो) 
 दूसरी बार एक-एक केलो बाँटने पर $4 - 4 = 0$ (सभी केलो बाँट गए) 
 4 लोगों में 2 बार बाँटने पर सबको 2-2 केलो मिले।

किसी संख्या को बराबर-बराबर हिस्सों में बाँटना ही भाग है।



आजो देखें— ₹ 484 को 4 लोगों में बराबर- बराबर बाँटना है। प्रत्येक व्यक्ति को कितने रुपये मिलेंगे ? पहले अनुमान लगाकर उत्तर दीं—



अब हल करें— $484 \div 4$

$$\begin{array}{r} 1 \quad \dots \\ 4 \overline{) 484} \\ \underline{- 4} \\ 08 \\ \underline{- 8} \\ 0 \\ \underline{- 0} \\ 0 \end{array}$$

0 शेषफल

अतः प्रत्येक को मिलेंगे ₹ ...

उपर्युक्त उदाहरण को शिक्षक सभी बच्चों से गतिविधि के रूप में भी अभ्यास करायें।



स्वयं करें—

- $2) 638$ (
- $5) 470$ (

अब हम ₹ 8550 को 12 लोगों में बराबर-बराबर बाँटते हैं—

देखो— $8550 \div 12$

$$\begin{array}{r} 712 \\ 12 \overline{) 8550} \\ \underline{- 84} \\ 15 \\ \underline{- 12} \\ 30 \\ \underline{- 24} \\ 6 \text{ शेषफल} \end{array}$$

अतः प्रत्येक व्यक्ति को ₹ 712 मिलेंगे और ₹ 6 शेष रहेंगे।



सोचें

हम अपने उत्तर के सही होने की जाँच कैसे कर सकते हैं ?

हम भाग्य = भागफल X भाजक + शेषफल में मान रखकर उत्तर के सही होने की जाँच करते हैं।

देखो— $8550 \div 12$ में, $712 \times 12 + 6 = \dots\dots\dots$ (क्या यह भाग्य के बराबर है ?)

• भाग्य 8550 को हजार का अंक 8, भाजक 12 से छोटा है। इसलिए इसमें भाग करना सम्भव नहीं है। अतः सेकड़ के अंक 5 को शामिल करने पर संख्या बनी 85, जो कि भाजक से बड़ी है। अब 85 के 12 बराबर भाग करें— $12 \times 7 = 84$ सात बार बाँटा गया 1

$$\begin{array}{r} 7 \\ 12 \overline{) 8550} \\ \underline{- 84} \\ 1 \end{array}$$

• अब भाग्य के गदाई अंक 5 को सेप 1 के आगे लिखेंगे। संख्या बनी 15, जो कि भाजक से बड़ी है। अब 15 के 12 बराबर भाग करें—

$$\begin{array}{r} 71 \\ 12 \overline{) 8550} \\ \underline{- 84} \\ 15 \\ \underline{- 12} \\ 3 \end{array}$$

$12 \times 1 = 12$ एक बार बाँटा गया 3

• अब भाग्य के इकाई अंक 0 को सेप 3 के आगे लिखेंगे। संख्या बनी 30, जो कि भाजक से बड़ी है। अब 30 के 12 बराबर भाग करें— $12 \times 2 = 24$ दो बार बाँटा, सेप रटे 6

$$\begin{array}{r} 712 \\ 12 \overline{) 8550} \\ \underline{- 84} \\ 15 \\ \underline{- 12} \\ 30 \\ \underline{- 24} \\ 6 \text{ शेषफल} \end{array}$$

देखो : $63980 \div 15$ या

$$\begin{array}{r}
 4265 \\
 15 \overline{) 63980} \\
 \underline{-60} \leftarrow \text{घटाओ } 4 \times 15 \\
 39 \leftarrow 9 \text{ को नीचे लाओ} \\
 \underline{-30} \leftarrow \text{घटाओ } 2 \times 15 \\
 98 \leftarrow 8 \text{ को नीचे लाओ} \\
 \underline{-90} \leftarrow \text{घटाओ } 6 \times 15 \\
 80 \leftarrow 0 \text{ को नीचे लाओ} \\
 \underline{-75} \leftarrow \text{घटाओ } 5 \times 15 \\
 5 \text{ शेषफल}
 \end{array}$$

अतः भागफल = 4265 , शेषफल = 5

अब उत्तर के सही होने की जाँच करें- X + = 63980

उसे भी देखो-

$$\begin{array}{r}
 4085 \\
 15 \overline{) 61280} \\
 \underline{-60} \leftarrow \text{घटाओ } 4 \times 15 \\
 12 \leftarrow 2 \text{ को नीचे लाओ} \\
 \underline{-00} \leftarrow \text{घटाओ } 0 \times 15 \\
 128 \leftarrow 8 \text{ को नीचे लाओ} \\
 \underline{-120} \leftarrow \text{घटाओ } 8 \times 15 \\
 80 \leftarrow 0 \text{ को नीचे लाओ} \\
 \underline{-75} \leftarrow \text{घटाओ } 5 \times 15 \\
 5 \text{ शेषफल}
 \end{array}$$

सही अगला अंक घटाने के बाद भी प्राप्त संख्या 12 भागक 15 से छोटी है। ऐसी स्थिति में 0 वार भाग किया जाता है।

अतः भागफल = 4085 , शेषफल = 5

अब उत्तर के सही होने की जाँच करें- X + = 61280



स्वयं करें -

हल करके उत्तर की जाँच करें-

- $65058 \div 14$
- $76030 \div 17$
- $20595 \div 19$

अब जाओ 20, 30, 40, .. 90 से भाग करें-

$$\begin{array}{r}
 17110 \div 20 \\
 \text{या } 20 \overline{) 17110} \\
 \underline{-160} \\
 111 \\
 \underline{-100} \\
 110 \\
 \underline{-100} \\
 10 \text{ शेषफल}
 \end{array}$$

भागफल = 855 , शेषफल = 10

प्राप्त उत्तर के सही होने की जाँच भी करें-



स्वयं करें - हल करें और उत्तर की जाँच करें

- $27240 \div 30$
- $19250 \div 40$
- $38612 \div 50$



सोचें -

क्या किसी संख्या में 20, 30, 40, ... 90 से भाग करने के लिए 20, 30, 40, ... 90 का पहाड़ जानना आवश्यक है, या 2, 3, 4, ... 9 के पहाड़ों के प्रयोग से भी किया जा सकता है।

भाग के गुणधर्म

1 शून्य में किसी संख्या से भाग देने पर भागफल सदैव शून्य ही होता है।

$$\text{या } 0 \div \text{संख्या} = 0$$

आओ समझें- शून्य के 9 बराबर भाग करने पर एक भाग कितना होगा ?

$$\begin{array}{r}
 \text{देखो- } 0 \div 9 \text{ या } 9 \overline{) 0} \\
 \underline{-0} \\
 0 \text{ भागफल} = 0
 \end{array}$$

उसी प्रकार $0 \div 5 = 0$, $0 \div 12 = 0$ और $0 \div 12 = 0$

• भाग्य 17110 में 1 और 17, भागक 20 से छोटे हैं। अतः 171 में 20 से भाग देना शुरू करते हैं।

• $171 \div 20 = 8 \text{ R } 11$
 - इस चरण का भागफल 8 और शेष 11
 - अब दहाड़ का अंक 1 नीचे लाते हैं।
 संख्या बनी 111

- अब 111 में 20 से भाग देते हैं।
 - सोचो $20 \times 5 =$
 - इस चरण का भागफल 5 और शेष 11

• वृकाई का अंक 0 नीचे लाते हैं।
 संख्या बनी 110

- अब 110 में 20 से भाग देते हैं।
 - इस चरण का भागफल 5 और शेष 10



स्वयं कर्णे -

● $0 \div 8 = \dots$ ● $0 \div 17 = \dots$ ● $0 \div 19 = \dots$



सोचें -

क्या किसी संख्या में शून्य से भाग सम्भव है ? अपने मित्रों एवं शिक्षक से इस पर चर्चा करें।

2 किसी संख्या में 1 से भाग देने पर भागफल में सदैव उस संख्या ही प्राप्त होती है।

या संख्या $\div 1 =$ संख्या

आजो समझें - 8 में 1 से भाग करना ही भागफल कितना होगा ?

देखो- $8 - 1$
या $1) 8 (8$
 $- 8$
 $\hline 0$ भागफल = 8

उसी प्रकार $64 \div 1 = 64$, $348 \div 1 = 348$, $5047 \div 1 = 5047$



स्वयं कर्णे -

● $546 \div 1 = \dots$ ● $8752 \div 1 = \dots$ ● $90465 \div 1 = \dots$

3 किसी संख्या में उसी संख्या से भाग देने पर भागफल सदैव 1 ही होता है।

आजो समझें - 5 में 5 से भाग करने पर भागफल कितना होगा ?

देखो- $5 - 5$ या $5) 5 (1$
 $- 5$
 $\hline 0$ भागफल = 1

उसी प्रकार $2 \div 2 = 1$, $6 \div 6 = 1$ और $12 \div 12 = 1$



स्वयं कर्णे -

● $4 \div 4 = \dots$ ● $11 \div 11 = \dots$ ● $18 \div 18 = \dots$

वार्तिक प्रश्न

- एक पुस्तक में 1024 पृष्ठ हैं। शिवानी एक दिन में 16 पृष्ठ पढ़ लेती है। वह कितने दिनों में पूरी पुस्तक पढ़ लेगी ?

देखो और समझो -

पुस्तक में कुल पृष्ठों की संख्या = 1024

एक दिन में पढ़े जाने वाले पृष्ठ = 16

पूरी पुस्तक पढ़ने में लगने वाले दिनों की संख्या = $1024 \div 16$

या
$$\begin{array}{r} 64 \\ 16 \overline{) 1024} \\ \underline{- 96} \\ 64 \\ \underline{- 64} \\ 00 \end{array}$$



भागफल = 64 शेषफल = 0

अतः शिवानी पूरी पुस्तक 64 दिनों में पढ़ लेगी।

- आरुण ने 10234 वेंग को 50 विशालायों में बराबर-बराबर बाँटा। प्रत्येक विशालाय को कितने वेंग मिले और कितने वेंग शेष रहे ?

देखो और समझो-

कुल विशालायों की संख्या = 50
कुल वेंग = 10234
प्रत्येक विशालाय को मिलाने वाले वेंग = $10234 \div 50$

शिक्षक बच्चों को भाग के गुण-धर्मों को स्थापित करने का पर्याप्त अवसर दें।

या

$$\begin{array}{r} 204 \\ 50 \overline{) 10234} \\ \underline{-100} \\ 23 \\ \underline{-00} \\ 234 \\ \underline{-200} \\ 34 \end{array}$$

भागफल = 204 , शेषफल = 34

अतः प्रत्येक विद्यालय को 204 बैग मिले और 34 शेष रहे।



स्वयं करो -

- 1 पैकेट में 12 पेन्सिलें आती हैं। 1524 पेन्सिलें ऐसे ही कितने पैकेट में रखी जा सकेंगी और कितनी शेष रहेंगी ?
- 4230 रुपये में 18 पुस्तकें खरीदी गईं। ऐसी ही 4 पुस्तकें खरीदने के लिए कितने रुपये की आवश्यकता होगी ?

दम सीख गए

- शून्य में किसी भी संख्या से भाग देने पर भागफल सदैव शून्य होता है।
- किसी भी संख्या में 1 से भाग देने पर भागफल सदैव वह संख्या ही होती है।
- किसी भी संख्या में उसी संख्या से भाग देने पर भागफल सदैव 1 होता है।
- किसी संख्या में शून्य से भाग सम्भव नहीं है।
- पौच अंक तक की संख्याओं में दो अंक की संख्याओं से भाग करना।



1. हल करो- (क) $56781 \div 13$ (ख) $43110 \div 15$ (ग) $43028 \div 30$
2. एक गत्ते के डिब्बे में साबुन की 16 टिकिया रखी जा सकती हैं। शीली 2340 टिकिया गत्ते के डिब्बों में रखना चाहती हैं। उसे कितने डिब्बों की आवश्यकता पड़ेगी ?
3. कोहाकाता से मुई दिल्ली तक राजधानी ट्रेन से यात्रा करने के लिए 17 व्यक्तियों की टिकट ₹ 49130 में खरीदी गईं। एक व्यक्ति के टिकट का दाम कितना है ?
4. पौच अंकों की सबसे बड़ी संख्या में दो अंकों की सबसे छोटी संख्या से भाग दो तथा भागफल व शेषफल बताओ।
5. 8, 7, 0 व 5 अंकों से बनने वाली छार अंकों की सबसे बड़ी संख्या में 6 व 1 अंकों से बनने वाली सबसे छोटी संख्या से भाग दो। भागफल व शेषफल लिखो।
6. किसी संख्या में 14 से भाग देने पर भागफल 203 आता है और शेष 11 बचता है, तो संख्या क्या होगी ?
7. जसविन्दर के बगीचे में 11 पक्षियों में कुल 660 पैर लगे हैं। यदि हर पक्षि में पैरों की संख्या समान हो, तो एक पक्षि में कितने पैर लगे हैं ?



महान गणितज्ञ

भास्कराचार्य द्वितीय



भास्कराचार्य का जन्म बीजापुर कर्नाटक में हुआ था। भारतीय गणितज्ञों में भास्कराचार्य का विशेष स्थान है। उन्होंने प्रतिज्ञा गणितीय ग्रन्थ लीलावती की रचना की। विश्व की कई भाषाओं में इस ग्रन्थ का अनुवाद किया गया है। इनकी पुत्री का नाम लीलावती था जो स्वयं भी महान गणितज्ञ थीं।